हेम चंद्र गोस्वामी
अकादेमी पुरस्कारः मुखौटा निर्माण (असम)

HEM CHANDRA GOSWAMI
Akademi Award: Mask Making (Assam)

Born on 1 March 1958 in Chamaguri Sattra of Majuli district in Assam, Shri Hem Chandra Goswami is accomplished in the mask-making traditions of Assam. Since childhood he was introduced to the indigenous art of making articles from bamboo by his father Late Rudrakanta Deva Goswami. Under his father's tutelage, Shri Hem Chandra Goswami was groomed in the Sattra culture of Assam learning the nuances of Sattriya music and dance, and primarily focusing on the art of Sattriya mask-making.

Shri Hem Chandra Goswami has participated in various mask-making workshops and exhibitions organized by the Visva-Bharati University's Kala Bhavana at Santiniketan, West Bengal; North East Zone Cultural Centre, Dimapur; Dibrugarh University, Assam; and the Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal. His masks have been procured by distinguished museums for display like the Indira Gandhi National Centre for the Arts, New Delhi; British Museum, London; the Rabindranath Museum, Visva-Bharati University, Santiniketan, West Bengal; the Department of Anthropology, Dibrugarh University, Assam; and the Srimanta Sankaradeva Kalakshetra, Guwahati, Assam.

For his contribution in the field of mask-making, Shri Hem Chandra Goswami has been honoured with several awards including the Damodar Dev National Award, and the La Mezo Da Ananda Award.

Shri Hem Chandra Goswami receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for his contribution to the art of mask making of Assam.

असम में माजुली जिले के चामगुरी सत्र में 01 मार्च 1958 को जन्मे, श्री हेम चंद्र गोस्वामी असम की मुखौटा निर्माण परम्पराओं से न केवल भलीभांति परिचित हैं, बल्कि इसमें निपुण भी हैं। आपने बाल्यकाल में ही अपने पिता स्वर्गीय रुद्रकांत देव गोस्वामी के सानिध्य में बांस से कलाकृतियों के निर्माण की स्वदेशी कला सीखना प्रारम्भ कर दिया था। अपने पिता के संरक्षण में आपने असम की सत्र संस्कृति के विविध रूपों यथा सत्रिय संगीत, नृत्य आदि की बारीकियाँ सीखी और अंततः स्वयं को सत्रिय मुखौटा निर्माण कला के प्रति समर्पित कर दिया।

श्री हेम चंद्र गोस्वामी ने शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल में विश्वभारती विश्वविद्यालय के कला भवन द्वारा आयोजित विभिन्न मुखौटा-निर्माण कार्यशालाओं और प्रदर्शनियों में भाग लिया; जिनमें पूर्वोत्तर क्षेत्रीय संस्कृति केन्द्र, दीमापुर; डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम; और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल प्रमुख हैं। आपके मुखौटे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली; ब्रिटिश म्यूजियम, लंदन; रवींद्रनाथ संग्रहालय, विश्व भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल; मानव विज्ञान विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम; और श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र, गुवाहाटी, असम जैसे प्रतिष्ठित संग्रहालयों द्वारा प्रदर्शन के लिए खरीदे गए हैं।

मुखौटा निर्माण के क्षेत्र में योगदान के लिए, श्री हेम चंद्र गोस्वामी को दामोदर देव राष्ट्रीय पुरस्कार और ला मीजो दा आनंद पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

असम के मुखौटा निर्माण कला के क्षेत्र में योगदान के लिए श्री हेम चंद्र गोस्वामी को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018